FIRST TERMINAL EVALUATION 2024 - 25 A

STD. X HINDI Detailed Answer key

1. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें। 1

(ग) साहिल नीम के पेड की डाली पकडकर झूम रहा था।

2. साहिल को क्यों अस्पताल ले जाया गया ? 2

साहिल अपने घर में स्टूल पर चढकर नीम की डाली पकडकर झूम रहा था। तब स्टूल टूटकर उसकी एक कील साहिल की पिंडली में लग जाने से एक इंच गहरा गड्ढा हो गया था। इस चोट को पट्टी बंधवाने केलिए उसे अस्पताल ले जाया गया।

3. साहिल की पिंडली में चोट लग गई। साहिल की उस दिन की **डायरी** लिखें। 4

तारीख : ....
स्कूल की छुट्टी थी। मैं एक स्टूल पर चढकर नीम की डाली पकडकर झूम रहा था। अचानक टूटे स्टूल की एक कील मेरी पिंडली में लग गई। एक इंच का गहरा गड्ढा हो गया। माँ मुझे पट्टी बँधवाने सरकारी अस्पताल ले गई। वहाँ पर बेला को देखा। वह सिर पर पट्टी बँधवाने आई थी। उसके सिर पर पट्टी। मेरी पिंडली में। कितनी एकता है हममें ...

अथवा

अस्पताल में मिले साहिल और बेला के बीच की संभावित **बातचीत** लिखें।

वार्तालाप - साहिल और बेला के बीच

बेला - साहिल .... तुम ? अरे क्या हो गया ?
साहिल - मेरी पिंडली में कील लग गई है।
बेला - पिंडली में ! कैसे ?
साहिल - नीम की डाली में झूलने पर टूटे स्टूल की एक कील मेरी पिंडली में लग गई।
बेला - डॉक्टर ने क्या कहा ?
साहिल - उन्होंने कहा घबराने की कोई बात नहीं। कुछ दिनों के बाद पट्टी खोलेंगे।
बेला - दर्द हो रहा है क्या ?
साहिल - हाँ, दर्द तो है। तुम क्यों आई हो ?
बेला - सिर में पट्टी बँधवाने आई है। अरे मैं जाती हूँ, नर्स बुला रही है। बाई।
साहिल - ठीक है बेला, बाई।

4. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें।** 1

मोरपाल स्कूल जाता है।	मोरपाल स्कूल जाएगा।
विद्यार्थी पुस्तक पढता है।	विद्यार्थी पुस्तक -------------- ।

Ans - विद्यार्थी पुस्तक **पढेगा।**

5. मोरपाल स्कूल कैसे आता था ? 2

वह स्कूल के पंद्रह किलोमीटर दूर के किसी गाँव से साइकिल चलाता रोज़ स्कूल आता था।

6. ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख के आधार पर **चार सही प्रस्ताव** चुनकर लिखें। 4

* छाछ मिहिर की कमज़ोरी है।
* अंत में कलाम को अपनी मंज़िल मिलती है।
* रणविजय ढाणी के राणा का बेटा है।
* मोरपाल की पढाई आठवीं के बाद छूट जाता है।

अथवा

मोरपाल और मिहिर के बीच खाने की अदला-बदली होती थी। यह अनुभव बताते हुए मोरपाल किसी दूसरे मित्र के नाम पत्र लिखता है। वह **पत्र** लिखें।

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ।

मेरा दोस्त मिहिर रोज़ राजमा लाता है। उसके खाने के डिब्बे में राजमा देखकर मैं खुशी से खिल जाता हूँ। उसके टिफिन बॉक्स से मैंने पहली बार राजमा खाया। कितना स्वादिष्ठ है। मेरी छाछ उसको बहुत पसंद है। उसके घर में रोज़ राजमा पकाता है। उसकेलिए वह सामान्य चीज़ है। वह बहुत निष्कलंग है। लेकिन स्कूल जाना उसे पसंद नहीं है। छुट्टी के दिन पर वह घर में नाचा करता। जो भी हो, अब मुझे यहाँ भी एक मनपसंद मित्र को मिला। मिहिर जैसे एक मित्र को मिलने पर मैं बहुत भाग्यशाली हूँ।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा मित्र

(हस्ताक्षर)

नाम

सेवा में,
नाम,
पता।

7. विशेषण शब्द चुनकर लिखें। 1

(ग) दुरूह

8. कविता में ' मैं ' कौन है ? 1

(घ) टूटा पहिया

9. कवि औक कविता का परिचय देते हुए कवितांश का **आशय** लिखें। 4

मुझे फेंको मत ...

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के प्रमुख कवि धर्मवीर भारती की प्रतीकात्मक कविता ' टूटा पहिया ' से ली गई हैं। इसमें कवि महाभारत के वीर अभिमन्यु की कथा के माध्यम से वर्तमान समय की वास्तविकता का विश्लेषण करते हैं।

इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ, लेकिन मुझे फेंकना नहीं चाहिए। क्योंकि कौरवों से रचित दुरूह चक्रव्यूह में अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ दुस्साहस के साथ अभिमन्यु आकर घिर जाएगा। तो टूटा पहिया, टूटे मानवीय मूल्य ही उसका सहारा बन जाएगा। यहाँ टूटा पहिया मानवीय मूल्यों का, चक्रव्यूह जीवन की समस्याओं का और अभिमन्यु अधर्म के विरोधी का प्रतीक है।

आज के इस दौर में यह कविता बिलकुल प्रासंगिक है। आत्मकथात्मक शैली में लिखी हुई इस कविता की भाषा बहुत सरल है और जल्दी समझ में आनेवाली पंक्तियाँ हैं। इसमें कवि ने महाभारत कथा से कई प्रतीकों का प्रयोग किया है। इसमें कवि का आशावादी दृष्टिकोण प्रकट है।

10. यहाँ बीरबहूटियों के रंग की तुलना किससे की गई है ? 1

(ख) रिबन के रंग से

11. साहिल और बेला क्यों दुकान गए ? 1

(घ) स्याही के लिए

SREEJITH.R, KOVOOR, VARKALA, SCRIBS

12. सही विकल्प चुनकर **वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

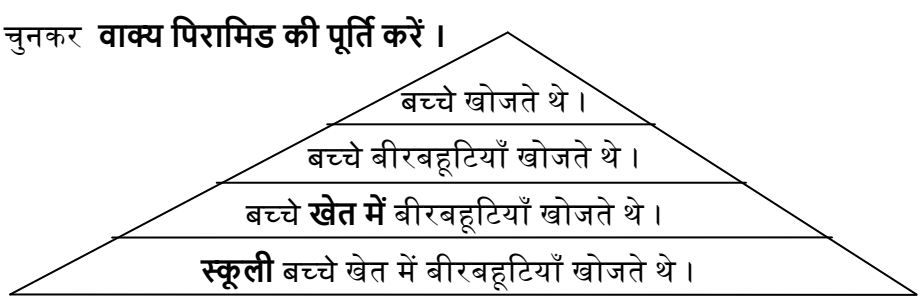

बच्चे खोजते थे ।

बच्चे बीरबहूटियाँ खोजते थे ।

बच्चे **खेत में** बीरबहूटियाँ खोजते थे ।

स्कूली बच्चे खेत में बीरबहूटियाँ खोजते थे ।

13. कहानी के इस प्रसंग के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें । 4

स्थान - कस्बे से सटा खेत ।

समय - सुबह 9 बजे ।

पात्र - 1. बेला, करीब 11 साल की लडकी, स्कूल यूनिफॉर्म पहनी है ।
2. साहिल, करीब 11 साल का लडका, स्कूल यूनिफॉर्म पहना है ।

दृश्य का विवरण - दोनों स्कूल जाते समय खेतों में बीरबहूटियों को खोजने आए हैं ।

संवाद -

बेला - देखो साहिल, यहाँ कितनी बीरबहूटियाँ हैं !

साहिल - हाँ, बहुत हैं । देखो, इसका रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है ।

बेला - मुलायम और गदबदी भी हैं । खून की प्यारी-प्यारी बूँदें जैसी ।

साहिल - बिलकुल सही है । तुमने कुछ सुना बेला ?

बेला - हाँ सुना । पहली घंटी लग गई है ।

साहिल - लेकिन मुझे पैन में स्याही भी भरवानी है, दुकान से ।

बेला - अरे तुमने पहले क्यों नहीं बताया ?

साहिल - भूल गया था यार ।

बेला - ठीक है, तो जल्दी चलो ।

(दोनों पैन में स्याही भरने दुकान की ओर चलते हैं ।)

14. सही विकल्प चुनकर लिखें । 1

(क) वह + के = उसके

15. कवि के अनुसार किसीको जानने का असली आधार क्या है ? 2

जानने का असली आधार है व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से जानना ।

16. सही मिलान करें । 4

व्यक्ति को उसके नाम, पता आदि से जानना	रूढिग्रस्त आधार है ।
विनोदकुमार शुक्ल की भाषा	स्पष्ट एवं सरल है ।
सडक पर घायल पडे व्यक्ति	मुसीबत में है ।
दो मनुष्यों के बीच	मनुष्यता का अहसास होना है ।

अथवा

संकेतों की सहायता से जीवन में **' परोपकार का महत्व '** विषय पर लघु लेख लिखें ।

लघु लेख - परोपकार का महत्व

मानव जीवन में परोपकार का बडा महत्व होता है । दूसरों की भलाई के बारे में सोचना और उनकेलिए कार्य करना ही परोपकार है । जो व्यक्ति दूसरों के दुखों को दूर करने की कोशिश करता है तब वह परोपकारी कहलाता है । अपने-पराए के भेद किए बिना सबकेलिए कर्म करना सच्चा परोपकार है । जैसे पेड अपनेलिए नहीं, औरों केलिए फल धारण करते हैं । नदी भी अपना जल स्वयं नहीं पीती है । सूर्य हमें रोशनी देकर चला जाता है । परोपकारी मनुष्य संपत्ति का संजय भी दूसरों के कल्याण केलिए करते हैं । बुद्ध, महावीर, अशोक और गाँधीजी जैसे महापुरुषों के जीवन परोपकार के कारण ही महान बन गए हैं । जो व्यक्ति परोपकार केलिए अपना सबकुछ त्याग देता है वह महान होता है ।

17. कलाम का सपना क्या था ? 1

(क) स्कूल जाना

18. ' आई एम कलाम ' फिल्म का निर्देशक कौन है ? 1

(ख) नील माधव पांडा

19. **जुलाई 31** प्रेमचंद जयंती है। इस अवसर पर आपके स्कूल के हिंदी क्लब के नेतृत्व में **' आई एम कलाम '** फिल्म की प्रदर्शिनी चलाने का निश्चय किया गया है। इसकेलिए एक **पोस्टर** तैयार करें। 4

जी एच एस एस, पाला

हिंदी क्लब के नेतृत्व में

प्रेमचंद जयंती पर

नील माधव पांडा की आई एक कलाम

फिल्म की प्रदर्शिनी

तारीख - 2024 जुलाई 31 समय - शाम 4 बजे स्थान - स्कूल सभाभवन	प्रवेश नि: शुल्क

उद्घाटन - फिल्म अभिनेता

आएँ ... फिल्म का आस्वादन करें ...

सबका स्वागत

- o O o -

SREEJITH.R, KOVOOR, VARKALA, SCR145